112 की सूचना पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, बारात लौटी बैरंग

- बाजना में बाल विवाह रुकवाया
- 16 वर्षीय बालिका की शादी टली

नवभारत न्यूज

रतलाम/बाजना। महिला एवं बाल विकास विभाग एवं पुलिस विभाग बाजना द्वारा ग्राम गड़ी कटरा कला में होने जा रहे बाल विवाह को समय रहते रुकवाया गया। जानकारी के अनुसार 112 पर सूचना प्राप्त हुई थी कि गांव में एक नाबालिग बालिका का विवाह कराया जा रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी बाजना मनीष डावर एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.एन. बुधौलिया के मार्गदर्शन में टीम गठित की गई।

टीम में परियोजना अधिकारी एहतेशाम अंसारी, पर्यवेक्षक रजनी मइड़ा, ब्लॉक समन्वयक सुल्तान गरवाल, महिला आरक्षक सपना पाल, प्रधान आरक्षक मोहित भूरिया सहित अन्य कर्मचारी शामिल थे। टीम विवाह स्थल ग्राम गड़ी कटरा कला पहुंची, जहां विवाह की तैयारियां चल रही थीं और बारात भी पहुंच चुकी थी। दोनों परिवार मामेरे की रस्म में व्यस्त थे।

टीम ने पहुंचकर दोनों पक्षों से बालिका के जन्म संबंधी दस्तावेज मांगे, लेकिन परिजनों द्वारा दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए। काफी प्रयास के बाद भी परिवार दस्तावेज देने को तैयार नहीं हुआ। इसके बाद परियोजना अधिकारी एहतेशाम अंसारी के निर्देश पर गांव की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सावित्री मइड़ा को सर्वे पंजी क्रमांक-1 के साथ मौके पर बुलाया गया। सर्वे पंजी में दर्ज जानकारी के अनुसार बालिका अंजू पिता लालू मइड़ा का जन्म वर्ष 2009 में होना पाया गया। जांच में उसकी उम्र करीब 16 वर्ष 6 माह सामने आई। इसके आधार पर टीम ने दोनों परिवारों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के तहत होने वाली सजा और जुर्माने की जानकारी दी। समझाइश के बाद दोनों परिवार बालिका के 18 वर्ष पूर्ण होने के बाद ही विवाह करने पर सहमत हुए और लिखित कथन दिए। इसके बाद टीम की मौजूदगी में बारात को वापस रवाना किया गया।

सोशल मीडिया की दोस्ती बन सकती है ठगी का जाल

- निवेश के नाम पर साइबर ठगी से सावधान रहने की अपील
- फर्जी प्रोफाइल बनाकर लोगों को जाल में फंसा रहे साइबर अपराधी

नवभारत न्यूज

रतलाम। सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराधियों द्वारा ठगी के नए-नए तरीके अपनाए जा रहे हैं। रतलाम साइबर सेल ने आमजन को सतर्क करते हुए एडवाइजरी जारी की है कि सोशल मीडिया पर दोस्ती कर निवेश के नाम पर की जाने वाली ठगी से सावधान रहें।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक कुमार के मार्गदर्शन में साइबर सेल द्वारा लगातार लोगों को जागरूक किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार साइबर ठग पहले फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप, टेलीग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से लोगों से संपर्क करते हैं। इसके बाद वे सामान्य बातचीत कर धीरे-धीरे भावनात्मक संबंध बनाते हैं और विश्वास जीतने का प्रयास करते हैं।

कई मामलों में आरोपी स्वयं को विदेशी नागरिक, सफल निवेश सलाहकार, बिजनेसमैन या प्रोफेशनल ट्रेडर बताकर लोगों को प्रभावित करते हैं। विश्वास कायम होने के बाद वे ऑनलाइन ट्रेडिंग, क्रिप्टोकरेंसी, शेयर मार्केट या अन्य निवेश योजनाओं में कम समय में अधिक मुनाफा दिलाने का लालच देते हैं। इसके लिए फर्जी मोबाइल ऐप, नकली वेबसाइट और फर्जी निवेश प्लेटफॉर्म का सहारा लिया जाता है।

साइबर अपराधी शुरुआत में छोटी राशि निवेश करवाकर नकली मुनाफा दिखाते हैं, जिससे पीड़ित का भरोसा बढ़ जाता है। इसके बाद बड़ी रकम निवेश करवाकर आरोपी अचानक संपर्क खत्म कर देते हैं या पैसा निकालने के नाम पर अतिरिक्त शुल्क मांगते हैं। कई लोग इस तरह अपनी जमा पूंजी गंवा बैठते हैं।

यदि कोई व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार हो जाए तो तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें, cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें तथा नजदीकी साइबर सेल या पुलिस थाने में संपर्क करें।

साइबर ठगों के सामान्य तरीके

- सोशल मीडिया पर आकर्षक फर्जी प्रोफाइल बनाना
- दोस्ती या प्रेम संबंध का दिखावा करना
- कम समय में अधिक मुनाफे का लालच देना
- फर्जी निवेश लिंक और ऐप भेजना
- नकली लाभ दिखाकर भरोसा बढ़ाना
- बड़ी रकम निवेश करवाकर संपर्क तोड़ देना

ठगी से बचने के लिए सावधानियां

- अनजान लोगों से व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें
- किसी के कहने पर बिना जांच ऑनलाइन निवेश न करें
- 'जल्दी ज्यादा मुनाफा' वाले प्रस्तावों से सतर्क रहें
- निवेश प्लेटफॉर्म का एसईबीआई रजिस्ट्रेशन अवश्य जांचें
- सोशल मीडिया पर भेजे गए निवेश लिंक पर क्लिक न करें
- केवल विश्वसनीय और अधिकृत प्लेटफॉर्म का उपयोग करें
- बैंकिंग जानकारी, ओटीपी या दस्तावेज किसी से साझा न करें

ग्राम बड़ोदिया की पेयजल व्यवस्थाओं का निरीक्षण

रतलाम। रतलाम विकासखंड के ग्राम बड़ोदिया में पीएचई विभाग के सहायक यंत्री डी.सी. कथिरिया एवं जिला सलाहकार आनंद व्यास ने गांव का भ्रमण कर पेयजल व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने गांव में हैंडपंप, ट्यूबवेल एवं निजी जल स्त्रोतों की स्थिति के संबंध में सरपंच, सचिव तथा ग्रामीणों से जानकारी प्राप्त की। सरपंच मानसिंह पडियार ने बताया कि गांव में पेयजल की पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध हैं। वर्तमान में 9 सिंगल फेज मोटर शासकीय नलकूपों पर संचालित हैं तथा 7 हैंडपंपों में से 6 चालू स्थिति में हैं। इसके अलावा गांव में 50 से अधिक निजी ट्यूबवेल भी संचालित हैं, जिससे पानी की कोई समस्या नहीं है। उन्होंने बताया कि जल निगम की योजना अंतर्गत पाइपलाइन एवं पानी की टंकी निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। पंचायत सचिव घनश्याम बैरागी ने बताया कि गांव में पानी को लेकर कभी कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई है। इस अवसर पर नागेश्वर परमार, बाबूलाल बोडाना, धुरी बाई परमार सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

लू से बचाव के लिए एडवाइजरी

रतलाम। वर्तमान में तापमान में बढ़ोतरी परिलक्षित होने पर प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनीष सिंह ने लू से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की है। डॉ सिंह ने बताया कि अत्यधिक गर्मी से बचाव के लिए पर्याप्त पानी पिए, भले ही आपको प्यास न लगी हो। यात्रा में पीने का पानी साथ रखें।

ओआरएस का उपयोग करें और अपने घर के बने पेय जैसे नींबू पानी, छाछ, लस्सी, फलों के रस में थोड़ा नमक मिलाकर पिएं। उच्च जल सामग्री वाले मौसमी फल और सब्जियां खाएं जैसे तरबूज, खरबूजा, संतरा, अंगूर अनानास , ककड़ी, खीरा और सलाद पत्ते का उपयोग करें। ढीले, सूती और हल्के रंग के कपड़े पहने। सीधे धूप के संपर्क में आने पर अपने सर को ढंकने के लिए छाता, टोपी, तोलिया या अन्य पारंपरिक कपड़ों का उपयोग करें। धूप में बाहर निकलते समय जूते या चप्पल पहने। हवादार और ठंडी जगह पर रहे, दिन के दौरान खिड़कियां और पर्दे बंद रखें रात के समय में ठंडी हवा आने देने के लिए उन्हें खोल दें। यदि बाहर जाना आवश्यक हो तो अपनी बाहरी गतिविधियों को सुबह और शाम सीमित रखें। दोपहर 12 से 3 तक निकलने से बचे। दोपहर में बाहर होने पर मेहनत वाले काम न करें।

खाना पकाने के क्षेत्र को हवादार रखने के लिए दरवाजे और खिड़कियां खोलें। शराब, चाय, कॉफी और अत्यधिक चीनी वाले कोल्ड ड्रिंक से बचे, यह शरीर से तरल पदार्थ कम करते हैं और पेट में मरोड़ पैदा कर सकते हैं। अधिक प्रोटीन वाले भोजन से बचें और बासी खाना न खाएं। बच्चों या पालतू जानवरों को गाड़ी में न छोड़े वाहन के अंदर का तापमान खतरनाक हो सकता है। उच्च बाहरी या इनडोर तापमान के संपर्क में आने से हीट स्ट्रेस उत्पन्न हो सकता है, जो सीधे और परोक्ष रूप से हीट संबंधित बीमारियों का कारण बनता है। गर्मी से चक्कर या बेहोशी अत्यधिक प्यास, मतली उलटी, सर दर्द, पेशाब कम होना और असामान्य रूप से गहरा पीला पेशाब होना।

एक नजर में

नशीले पदार्थ की तस्करी का खुलासा, 735 ग्राम अफीम के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

रतलाम/जावरा। जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बरखेड़ा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक कुमार तथा एसडीओपी आलोट पल्लवी गौर के मार्गदर्शन में थाना बरखेड़ा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 735 ग्राम अवैध अफीम के साथ एक नाबालिग एवं एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार 14 मई को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति मोटरसाइकिल से अवैध अफीम लेकर बरखेड़ा से आलोट की ओर जाने वाले हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र दंडोतिया के नेतृत्व में उपनिरीक्षक हरिसिंह बडेरा एवं पुलिस टीम ने घेराबंदी कर संदिग्धों को पकड़ लिया। एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत तलाशी लेने पर आरोपियों के कब्जे से 735 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम बरामद हुई। कार्रवाई के दौरान एक टीवीएस मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी-14-एमएल-8318 एवं तीन मोबाइल फोन भी जप्त किए गए। जप्त मशरूका की कुल अनुमानित कीमत करीब दो लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपी इमरान पिता सैयद अली निवासी बरखेड़ा कला एवं एक नाबालिग के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों से अफीम के स्रोत, सप्लाई नेटवर्क और अन्य संलिप्त लोगों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। कार्रवाई में निरीक्षक रविंद्र दंडोतिया, उपनिरीक्षक हरिसिंह बडेरा, सहायक उपनिरीक्षक नानूराम दसोरिया, आरक्षक ओमप्रकाश गुर्जर, शकील, राकेश पाटीदार, अजय चौधरी, अरविंद एवं राजेश पवार की सराहनीय भूमिका रही।

जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक 19 मई को

रतलाम। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री वैशाली जैन ने बताया कि जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक 19 मई मंगलवार को दोपहर 12:30 बजे जिला पंचायत सभागृह में आयोजित की जाएगी।

एसडीएम ग्रामीण ने किया जनगणना कार्यों का निरीक्षण

रतलाम। जनगणना कार्य निदेशालय भारत सरकार के निर्देशानुसार

जनगणना 2027 अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना संबंधी कार्य 01 मई 2026 से 30 मई 2026 तक जिले में किया जा रहा है। राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य को निर्धारित अवधि में अनिवार्य रूप से संपादित किए जाने हेतु अधिकारियों द्वारा जिले में निरीक्षण किया जा रहा है। एसडीएम रतलाम ग्रामीण विवेक सोनकर ने ग्राम जमुनिया में मकान सूचीकरण एवं गणना कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रगणकों, सुपरवाइजर एवं फील्ड ट्रेनर्स द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली एवं नागरिकों को जनगणना के लिए प्रगणकों को सही-सही जानकारी देने के लिए जागरूक किया।

भीषण गर्मी और हीट वेव से मत्स्य पालकों को सतर्क रहने की दी सलाह

रतलाम। सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने बताया कि वर्तमान में जिले में भीषण गर्मी एवं हीट वेव (लू) का प्रभाव बना हुआ है, जिससे तापमान 45 से 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। अचानक तापमान परिवर्तन और अत्यधिक गर्मी के कारण तालाबों के पानी का तापमान बढ़ने तथा पानी में ऑक्सीजन की मात्रा कम होने से मछलियों के मरने का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने समस्त मत्स्य पालकों को सलाह दी है कि ऐसी परिस्थितियों में मछलियों को हीट स्ट्रोक से बचाने के लिए आवश्यक सावधानियां अपनाएं। गर्मियों के दौरान तालाबों की नियमित निगरानी करें तथा यदि मछलियां पानी की सतह पर आकर सांस लेती दिखाई दें तो इसे ऑक्सीजन की कमी का संकेत मानते हुए तुरंत ताजे पानी का प्रवाह बढ़ाएं। मत्स्य पालकों को मछलियों के खान-पान और उनकी गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान देने की सलाह दी गई है। दोपहर की तेज धूप में तालाबों में चारा नहीं डालना चाहिए तथा मछलियों को सुबह सूर्योदय से पहले या शाम को सूर्यास्त के बाद चारा देना चाहिए। उन्होंने बताया कि तालाबों में लगातार पानी भरकर जलस्तर 5 से 6 फीट तक बनाए रखना चाहिए, क्योंकि अधिक गहराई होने से पानी जल्दी गर्म नहीं होता। साथ ही सुबह और शाम के समय सबमर्सिबल पंप या ट्यूबवेल से ताजा ठंडा पानी डालना चाहिए, जिससे पानी में घुलित ऑक्सीजन की मात्रा बनी रहे और मछलियों को नुकसान से बचाया जा सके।

नारद जयंती पर मीडिया की भूमिका पर मंथन

- प्रेस क्लब में आयोजित व्याख्यान में पत्रकारिता के मूल्यों, राष्ट्रहित और भारतीय दृष्टि पर हुआ विमर्श

नवभारत न्यूज

रतलाम। नारद जयंती के उपलक्ष्य में रतलाम प्रेस क्लब एवं विश्व संवाद केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को विशेष व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार, लेखक एवं चिंतक ईश्वर शर्मा ने 'भारतीय मीडिया में स्व का जागरण' विषय पर विचार व्यक्त किए। उनके साथ वरिष्ठ चिंतक एवं शिक्षाविद् डॉ. मुरलीधर चांदनीवाला ने भी पत्रकारिता और समाज की भूमिका पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेस क्लब अध्यक्ष मुकेशपुरी गोस्वामी ने की।

पॉवर हाउस रोड स्थित प्रेस क्लब भवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ईश्वर शर्मा ने कहा कि भारतीय मीडिया को अपनी मूल सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक सरोकारों और राष्ट्रहित की भावना के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि 'स्व' का अर्थ केवल आत्मबोध नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति, परंपरा और जड़ों के प्रति गर्व का भाव है। जिस समाज को अपनी सभ्यता और मूल्यों का ज्ञान होता है, उसमें स्वाभाविक रूप से स्वाभिमान जागृत होता है। उन्होंने कहा कि भारत लंबे समय तक विदेशी विचारधाराओं और संस्कृतियों के प्रभाव में रहा, जिसके कारण भारतीय जीवन शैली, भाषा, परिधान और संस्कारों को पीछे धकेलने का प्रयास हुआ। वर्तमान समय में युवाओं के बीच पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव बढ़ा है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता और जुड़ाव भी तेजी से बढ़ा है। आज युवा अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं पर गर्व महसूस कर रहे हैं। मीडिया की भूमिका पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में मीडिया केवल सूचना देने का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि समाज को दिशा देने वाली प्रभावशाली शक्ति बन चुका है। इसलिए पत्रकारिता में भारतीय दृष्टि, नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी का समावेश आवश्यक है। उन्होंने पत्रकारों से तथ्यपरक, निष्पक्ष और समाजहित में कार्य करने का आह्वान किया।

वरिष्ठ चिंतक डॉ. मुरलीधर चांदनीवाला ने कहा कि ऋषि नारद विश्व के प्रथम संवाददाता माने जाते हैं। उन्होंने कहा कि सच्चा पत्रकार केवल सूचना देने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि समाज की चिंता करने वाला मार्गदर्शक भी होता है। पत्रकार लोकतंत्र की मजबूत नींव हैं और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

स्वागत भाषण में प्रेस क्लब अध्यक्ष मुकेशपुरी गोस्वामी ने कहा कि रतलाम हमेशा से समृद्ध पत्रकारिता और साहित्यिक परंपरा की भूमि रहा है। यहां आज भी पठन-पाठन और वैचारिक संवाद की संस्कृति जीवित है, जो गर्व का विषय है। संचालन अदिति मिश्रा ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन उपाध्यक्ष सुजीत उपाध्याय ने माना।

एसडीएम विवेक सोनकर ने प्रेस्टीज वेयर हाउस बिलपांक का किया आकस्मिक निरीक्षण

रतलाम। रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत शासन के निर्देशानुसार और कलेक्टर मिशा सिंह के मार्गदर्शन में जिले में उपार्जन केन्द्रो पर समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन किया जा रहा है । आज एसडीएम रतलाम ग्रामीण विवेक सोनकर ने प्रेस्टीज वेयरहाउस बिलपांक का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान केंद्र पर तौल कांटों के माध्यम से तुलाई कार्य जारी पाया गया। बिलिंग प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो रही है एवं बैकलॉग लंबित नहीं है। निरीक्षण के दौरान तौल कांटों का सत्यापन किया गया। एसडीएम ने किसानो से संवाद कर उपार्जन प्रक्रिया, उपलब्ध सुविधाओं एवं केंद्रों पर की जा रही व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की ।

प्राण-प्रतिष्ठा : भगवान देवनारायण को लगाया छप्पन भोग

सैलाना। गुर्जर समाज के आराध्य देव भगवान श्री देवनारायण जी की गुरुवार को वैदिक मंत्रोचार के साथ प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई।

समारोह के तहत नगर के प्रमुख मार्गो से भगवान देवनारायण की भव्य शोभायात्रा निकली जो नगर भ्रमण के पश्चात जूनावास स्थित नव निर्मित मंदिर पहुंची ।इस दौरान शोभायात्रा व धार्मिक अनुष्ठान मे विधायक कमलेश्वर डोडीयार सहित पूर्व विधायक द्वय हर्षविजय गेहलोत व संगीता चारेल ने भी शामिल होकर धर्मलाभ लिया। शोभायात्रा के बाद राजस्थान के गुर्जर तीर्थ (आसींद)से पधारे पंडा जी द्वारा हवन पूजन के साथ वैदिक मंत्रोचार से भगवान देवनारायण की प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न करवाई । महाआरती के साथ भगवान देवनारायण को छप्पन भोग लगाया गया ।इस अवसर पर गुर्जर समाज द्वारा आयोजित भंडारे मे नगर के सर्व समाज जन के साथ बड़ी संख्या मे सम्मलित अंचल के समाज जनों द्वारा सामूहिक भोजन प्रसादी का लाभ लिया ।

मानसून से पहले रेस्क्यू टीम अलर्ट मोड पर

- धोलावाड़ डेम में एसडीईआरएफ और होमगार्ड जवानों का विशेष प्रशिक्षण

नवभारत न्यूज

रतलाम। राज्य आपदा मोचन बल भोपाल (एसडीईआरएफ) एवं संभागीय मुख्यालय उज्जैन से प्राप्त निर्देशों के पालन में आगामी मानसून सत्र को ध्यान में रखते हुए जिला स्तर पर धोलावाड़ डेम में विशेष प्रशिक्षण शिविर का द्वितीय सत्र प्रारंभ किया गया है। प्रशिक्षण के तृतीय दिवस 20 होमगार्ड एवं 7 एसडीईआरएफ जवानों सहित कुल 27 जवानों को आपदा प्रबंधन एवं जल रेस्क्यू से संबंधित अभ्यास कराया गया।

प्रशिक्षण की शुरुआत तैराकी से पूर्व आवश्यक शारीरिक एक्सरसाइज के साथ हुई। प्लाटून कमांडर बद्री मंडलोई द्वारा एसडीईआरएफ जवानों के साथ स्विमिंग अभ्यास का सघन प्रशिक्षण दिया गया। जवानों को पानी के तेज बहाव को समझने, आपदा के दौरान बचाव कार्य की तकनीकों तथा स्वयं की सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान रेस्क्यू ऑपरेशन में उपयोग होने वाले व्यावहारिक तरीकों का अभ्यास भी कराया गया, ताकि मानसून के दौरान किसी भी आपात स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

कॉलेज चलो अभियान : प्रवेश मेले का आयोजन विद्यार्थियों को दिया करियर मार्गदर्शन

जावरा। भगतसिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं प्रवेश समिति के संयुक्त तत्वाधान में 'कॉलेज चलो अभियान' के द्वितीय चरण के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय प्रवेश मेले का आयोजन किया गया।

प्रवेश मेले में 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को ऑनलाइन पंजीयन, विषय चयन, करियर मार्गदर्शन के साथ-साथ उच्च शिक्षा से जुड़ी छात्रवृत्तियों एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों से अपील की गई कि वे अपने आसपास के ऐसे विद्यार्थियों को भी कॉलेज में प्रवेश के लिए प्रेरित करें, जिन्होंने अभी तक प्रवेश नहीं लिया है।

प्राचार्य डॉ. ए. जी. पठान एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. विद्या तिवारी के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए महाविद्यालय में हेल्प सेंटर भी स्थापित किया गया है, जहां ई-प्रवेश से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। साथ ही उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी टोल-फ्री एवं हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई गई। डॉ. विद्या तिवारी ने बताया कि सहायता केंद्र में प्रवेश प्रभारी के रूप में डॉ. नारायण पाटीदार के साथ प्रो. नितिन बडेजा, प्रो. मनप्रीत सिंह, प्रो. श्यामलाल चौधरी, स्पोर्ट्स ऑफिसर राहुल सोनावा सहित प्रवेश समिति के अन्य सदस्य लगातार कार्य कर रहे हैं। 1 मई से प्रारंभ हुआ ऑनलाइन पंजीयन एवं आवेदन अपडेशन कार्य 16 मई तक जारी रहेगा। इस अवसर पर प्रो. डॉ. भावना भट्ट, प्रो. दिनेश निगम, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. श्यामलाल चौधरी एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को लाइव उदाहरण के माध्यम से ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया समझाई।

एक नजर में

नई बनाम पुरानी लाइन पर आमने-सामने आई समितियां, किसानों की उपजाऊ जमीन बचाने की मांग

उज्जैन-जावरा फोरलेन पर टकराव तेज : एक दिन में बदली तस्वीर

नवभारत न्यूज

जावरा। नवीन प्रस्तावित उज्जैन-जावरा फोरलेन निर्माण को लेकर अब विवाद खुलकर सामने आ गया है। नए और पुराने अलाईमेंट को लेकर क्षेत्र में अलग-अलग संघर्ष समितियों की राय बंटी हुई नजर आ रही है, जिससे पूरे मामले में नया मोड़ आ गया है। मंगलवार को जहां एक संघर्ष समिति ने प्रस्तावित नए अलाईमेंट का समर्थन करते हुए सड़क निर्माण की मांग उठाई थी, वहीं बुधवार को दूसरी समिति ने इसके ठीक विपरीत रुख अपनाते हुए पुराने अलाईमेंट के पक्ष में मोर्चा खोल दिया। समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री के नाम एक विस्तृत ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी सुनील जायसवाल को सौंपा।

2011 में ही हो गया अधिग्रहण - ज्ञापन में समिति ने स्पष्ट कहा कि जावरा-उज्जैन फोरलेन के लिए वर्ष 2011 में ही हुसैन टेकरी चौराहे से जोयो होटल तक भूमि अधिग्रहित की जा चुकी है और वर्तमान में उसी पर टू-लेन सड़क संचालित हो रही है। ऐसे में उसी मार्ग को चौड़ा कर फोरलेन बनाया जाना अधिक तर्कसंगत और जनहितकारी है। समिति ने नए अलाईमेंट का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि इसके तहत करीब 16 हेक्टेयर उपजाऊ कृषि भूमि का अधिग्रहण करना पड़ेगा, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। साथ ही, भूमि अधिग्रहण नियमों के विपरीत उपजाऊ जमीन को प्रभावित करना अनुचित बताया गया।

नए एलाइनमेंट में देना हो अधिक मुआवजा

आर्थिक पहलू को लेकर भी समिति ने सवाल उठाए हैं। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि यदि नए अलाईमेंट पर भूमि अधिग्रहण किया गया, तो सरकार को वर्तमान बाजार मूल्य का चार गुना मुआवजा देना होगा, जिससे करोड़ों रुपए का अतिरिक्त भार पड़ेगा। जबकि पहले से अधिग्रहित भूमि उपलब्ध होने के बावजूद नया अधिग्रहण करना जनता की गाढ़ी कमाई की बर्बादी बताया गया। समिति का कहना है कि पुराने अलाईमेंट पर ही फोरलेन निर्माण करने से न केवल किसानों की जमीन बचेगी, बल्कि परियोजना की लागत और समय दोनों में कमी आएगी। फिलहाल, दोनों पक्षों की अलग-अलग मांगों के चलते उज्जैन-जावरा फोरलेन परियोजना को लेकर स्थिति पेचीदा होती जा रही है। प्रशासन और सरकार के सामने अब यह चुनौती है कि वे जनहित, लागत और विकास के संतुलन को ध्यान में रखते हुए अंतिम निर्णय लें।